सत्यब्रत साहु, आई.ए.एस
संयुक्त सचिव

भारत सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय
पर्यावरण भवन, 9वाँ तल,
सीजीओ कॉम्पलैक्स, लोदी रोड,
नई दिल्ली: 110003

अ.शा.पत्र संख्या डब्ल्यू-11042/ 16/ 2010-जल-।।
दिनांक 5 अगस्त, 2014

प्रिय महोदय,

कृपया देश के नाजुक और अत्यधिक दोहित ब्लॉकों के निकट बड़े बाँधों के स्थान के बारे में मेरी आपसे आज दूरभाष से हुई चर्चा का संदर्भ लें। केंद्रीय भू-जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) द्वारा वर्ष 2009 में की गई रिपोर्ट के अनुसार देश में अधिकांशत: आंध्र प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में फैले हुए 839 अत्यंत दोहित तथा 226 नाजुक ब्लॉक हैं। इन ब्लॉकों की सूची सीजीडब्ल्यूबी वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसी प्रकार बड़े बाँधों की सूची भी केंद्रीय जल आयोग के पास उपलब्ध है। अब हमारे स्तर पर यह अपेक्षित है कि हम इन ब्लॉकों के नजदीक उपयुक्त बड़े बाँधों का पता लगाएँ ताकि सतह आधारित पेयजल योजनाएँ प्लान की जा सकें। मंत्रालय के राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम (एनआरडीडब्ल्यूपी) के अंतर्गत ऐसे क्षेत्रों, जहाँ पहले से ही भू-जल की कमी है, में सतह आधारित पाइप द्वारा जल आपूर्ति योजनाएँ शुरू करने के लिए इस मंत्रलाय में इस सूचना की तत्काल आवश्यकता है।

2. इस संदर्भ में यह सुझाव है कि आप बड़े टैंकों और विशाल बाँधों पर जीआईएस लेयर इंटीग्रेट करें और सीजीडब्ल्यूबी (अत्यंत दोहित नाजुक ब्लॉकों) की लेयर सुपर इंपोज करें ताकि पीडीएफ फोरमेट पर पूरा डाटा और आरडीबीएमएस डाटा इस मंत्रालय को उपलब्ध हो जाए। इसे अति तत्काल समझा जाए।

सादर,

आपका,

(सत्यब्रत साहु)

श्री योगेश पैथंकर,
निदेशक (रिमोट सेंसिंग)
केंद्रीय जल आयोग,
सेवा भवन, आर.के.पुरम,
नई दिल्ली-110066

प्रतिलिपि:

सचिव, डीडब्लयूएस के निजी सचिव